UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 17 बादल चले गए वे (मंजरी)

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

(क) बादल से संबंधित अन्य गीत, कविताओं का संकलन कीजिए।
उत्तर :

(i) पक्षी और बादल
ये भागवान के डाकिये हैं
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो यह समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्टियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।
हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती
दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरती हैं।
और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

(ii) मेरा कोई धर्म नहीं, मेरी कोई जाति नहीं,
निःस्वार्थ भाव से सृष्टि की सेवा करता हूँ।
मैं बादल हूँ। बस बरस पड़ता हूँ।
चाहे हो मंदिर की ईंटे, चाहे हो मस्जिद की
दीवार अपने जल से धोकर नवीन करता हूँ।
मैं बादल हूँ, बस बरस पड़ता हूँ।
चाहे हो निर्धन की क्यारी, चाहे हो राजा की फुलवारी
बूँदों के मोती गिराकर हरा करता हूँ।
मैं बादल हूँ। बस बरस पड़ता हूँ।
चाहे हो भारत की भूमि, चाहे हो पाक की जमीं
सबकी प्यास बुझाने का प्रयास करता हूँ
मैं बादल हूँ। बस बरस पड़ता हूँ।

(ख) बादल कैसे बनते हैं? पता लगाकर लिखिए।
उत्तर :
नदियों, झीलों, तालाबों और सागरों का पानी सूर्य की गरमी से भाप में बदल जाता है। यह भाप वाष्प के रूप में हवा से मिल नाता है। वाष्प मिली गर्म हवा हल्की हो ऊपर आसमान में चली जाती है। जब हवा से भरे वाष्प एक स्थान पर एकत्र होते हैं तो वे बादल का रूप ले लेते हैं।

विचार और कल्पना

प्रश्न 1.
बताइए- आपको बादल कब-कब अच्छे लगते हैं, कब नहीं?
उत्तर :

बादल गर्मियों के मौसम मे बहुत अच्छे लगते हैं, खासकर तब जब धूप हो रही हो और आसमान पर काले-काले बादल अचानक से छा जाएँ और ठंडी-ठंडी हवाएँ चलने लगें। सर्दियों के मौसम में बादल अच्छे नहीं लगते क्योंकि वे सूरज को ढक लेते हैं और मौसम अधिक ठंडा हो जाता है।

प्रश्न 2.
आसमान में बादलों को उमड़ता-घुमड़ता देखकार कुछ लोग प्रसन्न हो जाते हैं और कुछ चिंचित। नीचे लिखे नामों में कौन प्रसन्न होता है और कौन चिंचित? कारण भी लिखिए –
किसान, यात्री, मोर, कुम्भकार,
उत्तर :
आसमान में उमड़ता-घुमड़ता बादल देखकर किसान इसलिए प्रसन्न होते हैं कि उनके फसलों को पानी की आवश्यकता होती है जो बादल ही बरस कर पूरी करता है मोर का प्रिय ऋतु ही वर्षा ऋतु है । बादल देखकर वह प्रसन्न होकर मनमोहक नृत्य करता है। यात्री बादल देखकर चिंतित हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें कहीं जाना होता है तो बारिश की वजह से उनकी यात्रा में व्यवधान पहुँचता है। कुम्हारों को अपने बनाए हुए मिट्टी के बरतन धूप में ही सुखाने होते हैं लेकिन बादल देखकर वे चिंतित हो जाते हैं कि कहीं बारिश हो जाए और बरतन गल न जाएँ।

प्रश्न 3.
आपने इन्द्रधनुष देखा होगा, सोचकर बताइए कि इन्द्रधनुष में कौन-कौन से रंग होते हैं तथा इन्द्रधनुष कैसे बनते हैं।
उत्तर :
इन्द्रधनुष में सात रंग होते हैं- हरा, नीला, पीला, नारंगी, बैंगनी, आसमानी और लाल। यह बरसात के दिनों में वायुमण्डलीय प्रक्रिया से बनता है।

प्रश्न 4.
यदि कुछ वर्षों तक बादल आये ही नहीं अर्थात् पानी बिलकुल न बरसे तो क्या-क्या समस्याएँ आ सकती हैं? सोचकर लिखिए।
उत्तर :
यदि कुछ वर्षों तक बादल न आए तो बारिश नहीं होगी। बारिश नहीं होने पर फसलें सूख जाएँगी, नदी-नाले कुएँ, तालाब, झील सब सूख जाएँगे। भयंकर अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। पशु-पक्षी मनुष्य सहित पेड़-पौधे सब पानी के अभाव में मरने लगेंगे।

कविता से

प्रश्न 2.
निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए (स्पष्ट करके) –
उत्तर :

- रंग दिखाया – रंगीन शोभा दिखाई।
- चित्त चुराया – मन को मोह लिया।
- श्याम-सजीला – श्याम वर्ण से सजा हुआ।
- नवल-तरंगी – सुख-दुख की नई-नई लहरें।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 3.
कविता में कुल तीन पद हैं। तीनों पदों के तुकान्त शब्दों के अलग-अलग जोड़ा बनाकर लिखिए।
उत्तर :
सजाया-चुराया, सजीला-गीला, दुख-सुख

प्रश्न 4.
बादल की तुलना पाहुन से क्यों की गयी है?
उत्तर :
बादल पाहुन की तरह ही दो दिन रहकर चला जाता है; इसीलिए उसकी तुलना पाहुन से की गई है।

भाषा की बात

प्रश्न 1.
दुःख-सुख में दोनों शब्द एक-दूसरे के विपरीतार्थी हैं। इसी तरह के पाँच शब्द-युग्म लिखिए।
उत्तर :

- **आयात** – निर्यात
- **उन्नति** – अवनति
- **एक** – अनेक
- **मान** – अपमान
- **आस्तिक** – नास्तिक।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए (लिखकर) –
उत्तर :

- **आकाश** – नभ, गगन, अम्बर
- **धरती** – धरा, वसुधा, पृथ्वी
- **प्रभात** – सुबह, भोर, प्रातःकाल
- **बादल** – मेघ, घन, जलधर

प्रश्न 3.
कविता में आए उन शब्दों को छाँटकर लिखिए जिनका अर्थ आपको नहीं पता है।

- इन शब्दों के अर्थ शब्दकोश से ढूंढकर लिखिए।
- अब इन शब्दों का पने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर :

उदाहरण –

शब्द	अर्थ	वाक्य
शिशिर	जाड़ा, शींतकाल	शिशिर ऋतु में आग तापना बहुत अच्छा लगता है।
चित्त	हृदय, मन	उसका चित्त उदास है।

https://www.evidyarthi.in/